

ख़बर संक्षेप

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आज

पन्ना। कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट ऊषा परमार की अध्यक्षता में गुरुवार, 20 अगस्त को सुबह 11 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक होगी। विदित हो कि आगामी 26 अगस्त को मिलाद-उन-नबी, 2 सितम्बर को हलषष्ठी, 4 सितम्बर को जन्माष्टमी तथा 14 से 25 सितम्बर तक गणेश उत्सव सहित अन्य त्यौहारों को शांतिपूर्वक मनाए जाने के दृष्टिगत शांति समिति की बैठक आयोजित की गई है। अपर जिला मजिस्ट्रेट मधुवंतराव धुर्वे द्वारा संबंधित विभाग के अधिकारियों सहित समिति के अशासकीय सदस्यों से बैठक में उपस्थित रहने का अनुरोध किया गया है।

समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा के लिए सौपा गया दायित्व

पन्ना। शासन के निर्देशानुसार संत शिरोमणि रविदास जी की 650वीं जन्म जयंती के अवसर पर उनके जीवन दर्शन तथा समता, भक्ति, सेवा, सामाजिक न्याय एवं मानवता के संदेश के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से श्री गुरु रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान एवं यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। गत मंगलवार को रवीन्द्र भवन भोपाल में प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम से विभिन्न जिलों के लिए पावन कलश रवाना किए गए हैं। पन्ना में जिला स्तर पर 20 अगस्त को पावन कलश लाया जाएगा। इस अवसर पर पन्ना नगर के श्री जुगल किशोर मंदिर के पीछे स्थित लवकुश वाटिका में कलश वंदन और सम्मान समारोह आयोजित किया गया है। जिला संयोजक जयप्रताप भदौरिया द्वारा कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए छात्रावास अधीक्षक सहित अन्य कर्मचारियों को आवश्यक दायित्व सौंपकर गुरुवार, सुबह 10 बजे कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित होने के लिए निर्देशित किया गया है। कार्यक्रम पश्चात कलश यात्रा ककरहटी एवं गुनौर के लिए रवाना की जाएगी।

छात्रवृत्ति के लिए पोर्टल पर करें आवेदन

पन्ना। अनुसूचित जाति प्री एवं पोर्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना अंतर्गत शैक्षणिक सत्र 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 के नवीन व नवीनीकरण आवेदन एवं आवास सहायता के लिए आगामी 30 अगस्त तक एमपी टैस एवं एनआईसी 2.0 पोर्टल खोला गया है। इस संबंध में जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों को समय सीमा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति से वंचित न रहे।

बुधवार को पन्ना में दर्ज की गई सर्वाधिक वर्षा

पन्ना। भू-संसाधन प्रबंधन कार्यालय पन्ना से मिली जानकारी अनुसार 19 अगस्त को वर्षाभापी केन्द्र पन्ना में सर्वाधिक 114.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई, जबकि देवेन्द्रनगर में 96.2 मिमी, गुनौर में 68.8 मिमी, अमानगंज में 42 मिमी, पवई में 84 मिमी, सिमरिया में 75.2 मिमी, शाहनगर में 48.4 मिमी, रेपुरा में 27.2 मिमी और अजयगढ़ में 72.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। पन्ना जिले में एक जून से 19 अगस्त तक सर्वाधिक वर्षा 930.2 मिमी अजयगढ़ में, जबकि सबसे कम 475.1 मिमी सिमरिया में दर्ज की गई। अब तक दर्ज औसत वर्षा 631.9 मिमी अर्थात 24.9 इंच है।

महिला बाल विकास विभाग में पदस्थ रहे कर्मचारी मनीष खरे का दुखद निधन



पन्ना। महिला बाल विकास विभाग में पदस्थ रहे कर्मचारी मनीष खरे का लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया है। मनीष खरे स्टेट बैंक में पदस्थ रहे। उनका बाबू खरे के सुपुत्र हैं वह लगभग 50 वर्ष के थे। जो काफी दिनों से बीमार चल रहे थे मनीष मिलनसार मुठ भाषी तथा अच्छे व्यक्तित्व थे उनके निधन पर जिले के जनप्रतिनिधियों अधिकारी यो कर्मचारियों वप्रकारों सहित्यकारों ने गहन दुख व्यक्त करते हुए शोकाकुल परिवार को इस गहन दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से कामना की है।



गोस्वामी तुलसीदास जयंती

गोस्वामी तुलसीदास 16वीं-17वीं शताब्दी के महान संत, कवि और रामभक्त थे। उनके जन्म वर्ष और जन्मस्थान को लेकर विद्वानों में अलग-अलग मत मिलते हैं। उनके जीवन का बड़ा हिस्सा काशी, अयोध्या और चित्रकूट जैसे रामभक्ति से जुड़े प्रमुख क्षेत्रों में बीता माना जाता है।

विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने कराई अपने दांतों की जांच बने पहले मरीज

अमानगंज।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज में स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए डेंटल क्लिनिक का शुभारंभ किया गया। विधायक डॉ. राजेश वर्मा ने विधिवत क्लीनिक का शुभारंभ किया।

खास बात यह रही कि उद्घाटन के बाद विधायक डॉ. राजेश वर्मा स्वयं डेंटल क्लिनिक के पहले मरीज बने और चिकित्सक से अपने दांतों की जांच कराई। डेंटल क्लिनिक शुरू होने से अब अमानगंज और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को दांतों की जांच एवं उपचार के लिए दूरपरे शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही दांतों से संबंधित आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध होने से क्षेत्र के लोगों को सुविधा मिलेगी और समय व खर्च दोनों की बचत होगी। इस अवसर पर



इटौरी की हरिजन बस्ती में पानी का रास्ता रोकने का आरोप, घरों में मरा 3 फीट तक पानी

अमानगंज। ग्राम इटौरी की हरिजन बस्ती में बारिश के बीच पानी निकासी का मार्ग रोकें जाने का मामला सामने आया है। बस्ती के ग्रामीणों ने तहसीलदार अमानगंज को आवेदन सौंपकर पानी की निकासी का रास्ता खुलवाने और मौके का निरीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुरुषा अहिरवार पिता विस्वरमा अहिरवार एवं सुरेश पिता शंभु अहिरवार द्वारा पानी निकासी का मार्ग रोक दिया गया है। रास्ता बंद होने के कारण बारिश का पानी बस्ती में जमा हो गया और कई ग्रामीणों के घरों में करीब 3 फीट तक पानी भर गया। इससे लोगों की आवागमन के साथ-साथ घरेलू सामान और अन्य नुकसान की आशंका बनी हुई है। ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बारिश के कारण यदि पानी की निकासी नहीं हुई तो स्थिति और गंभीर हो सकती है। बस्ती में रहने वाले लोगों को अपने घरों से निकलने तथा दैनिक कार्यों में भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आवेदन में ग्रामीणों ने बताया कि इस समस्या को लेकर 10 अगस्त 2026 को भी तहसील अमानगंज में आवेदन प्रस्तुत किया गया था। ग्रामीणों के अनुसार, शिकायत के बावजूद अब तक मौके पर हल्का पटवारी द्वारा निरीक्षण या कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने तहसीलदार से मांग की है कि मौका स्थल का तत्काल निरीक्षण कराया जाए, पानी निकासी का अवरोध मार्ग खुलवाया जाए तथा आरोपित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए, ताकि बस्ती के लोगों को जलभराव की समस्या से राहत मिल सके।

खजुरी कुड़ार में दर्दनाक हादसा, जहरीले कीड़े के काटने से 23 वर्षीय महिला की मौत 10 दिन की नवजात समेत तीन बेटियां अनाथ

पन्ना। जनपद अंतर्गत ग्राम खजुरी कुड़ार में एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई है, जहाँ एक जहरीले कीड़े के काटने से 23 वर्षीय महिला की असमय मौत हो गई। मृतिका अपने पीछे तीन मासूम बेटियों को छोड़ गई हैं, जिनमें सबसे छोटी बेटी महज 10 दिन की है। इस घटना के बाद से पीड़ित परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है और मजदूर पिता के सामने बच्चियों के लालन-पालन का बड़ा संकट खड़ा हो गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार, खजुरी कुड़ार निवासी लक्ष्मी बाई (23 वर्ष), पति अरविंद कुमार गौड़ को बीते मंगलवार (18 अगस्त) की सुबह लगभग 4 बजे किसी अज्ञात जहरीले कीड़े ने काट लिया था। हालत बिगड़ने पर परिवजनों ने उन्हें तत्काल स्थानीय पन्ना जिला अस्पताल पहुंचाया, जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने गंभीर स्थिति को देखते हुए रीवा मेडिकल कॉलेज के लिए रिफर कर दिया। दुर्भाग्यवश, रीवा ले जाते समय रास्ते में ही लक्ष्मी बाई ने दम तोड़ दिया।

मासूमों के सिर से उठा माँ का साया

इस दुःखद घटना ने पूरे क्षेत्र को



झकझोर कर रख दिया है। मृतिका लक्ष्मी बाई अपने पीछे तीन छोटी बेटियों को छोड़ गई हैं। सबसे ज्यादा भावुक करने वाली बात यह है कि उनकी सबसे छोटी बेटी मात्र 10 दिन की है, जिसका माँ का दूध भी छूट गया है।

मजदूर पिता को सता रही मरण-पोषण की चिंता

मृतिका के पति अरविंद कुमार गौड़ पेशे से मजदूर हैं। पत्नी की अचानक मौत से वह पूरी तरह टूट चुके हैं। रो-रोकर उनका बुरा हाल है और अब उनके सामने इन तीन छोटी बेटियों की परवरिश, देखभाल और भरण-पोषण को लेकर

विस्थापित परिवारों को सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए ग्राम तारा में जन शिविर कैम्प का आयोजन



पन्ना। कलेक्टर ऊषा परमार के निर्देशानुसार जनपद पंचायत पन्ना अंतर्गत केन बेतवा लिंक परियोजना से प्रभावित ग्राम पंचायत कटहरी बिलहटा एवं गहदरा के विस्थापित परिवारों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मंशा से बुधवार को ग्राम तारा में जन शिविर कैम्प लगाया गया। इन ग्राम पंचायतों के अधिकांश ग्रामीण परिवार नवीन बसाहट स्थल ग्राम पंचायत तारा में विस्थापित हुए हैं। संबंधित ग्रामीण परिवारों को शासकीय सुविधाएं प्रदान करने के साथ उनकी समस्याओं के तत्परता से निराकरण के लिए आयोजित शिविर में अपर कलेक्टर मधुवंतराव धुर्वे, एसडीएम नरेन्द्र सिंह धुर्वे, जनपद पंचायत सीईओ जयशंकर तिवारी, सहायक संचालक पंचायत राज घनश्याम दास शर्मा, परियोजना अधिकारी पीरूप मिश्रा एवं प्रशांत नायक सहित अन्य विभागीय अधिकारी भी उपस्थित रहे। शिविर में उपस्थित विभागीय अधिकारियों द्वारा विस्थापित ग्रामीण परिवारों को समग्र आईडी पंजीकरण, जांच कार्ड, खाद्यान्न वितरण एवं मूलभूत सुविधाओं जैसे बिजली, पानी, सड़क, स्कूल, आंगनबाड़ी आदि से संबंधित कार्यों के सुनिश्चित निर्माण कराए जाने की जानकारी दी गई। शिविर में उपस्थित अधिकारियों द्वारा स्थानीय ग्राम पंचायत के पटवारी, सचिव, ग्राम रोजगार सहायक एवं अन्य स्थानीय कर्मचारियों को डोर टू डोर सर्वे के जरिए उक्त कार्य को प्राथमिकता से समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए निर्देशित किया गया।

पन्ना, गुनौर, पवई, अमानगंज, रेपुरा, शाहनगर, अजयगढ़ हरिभूमि 6

तुलसीदास जयंती, रामचरितमानस से जन-जन तक पहुंचाया श्रीराम का आदर्श निरूपित किया

पन्ना। संत शिरोमणि को अद्वितीय साहित्यिक और आध्यात्मिक विरासत के लिए सदैव स्मरण किया

जाता है। रामचरितमानस के माध्यम से उन्होंने श्रीराम के आदर्श चरित्र और जीवन मूल्यों को सरल लोकभाषा में समाज तक पहुंचाया। उनकी रचनाएं आज भी भारतीय संस्कृति, भक्ति और

लोकजीवन पर गहरा प्रभाव डालती हैं। भक्तिकाल के महान संत-कवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाई जा रही

है। श्रावण मास के शुक्ल पक्ष की सप्तमी तिथि पर मनाई जाने वाली जयंती रामचरितमानस के रचयिता को समर्पित है, जिन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया।

भक्तिकाल के महान कवि और संत

भारतीय भक्ति साहित्य के ऐसे महान कवि माने जाते हैं जिन्होंने भगवान श्रीराम के आदर्शों, भक्ति, मर्यादा और लोककल्याण के संदेश को आम जनमानस तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी सबसे प्रसिद्ध रचना 'रामचरितमानस' ने श्रीराम की कथा को लोकभाषा में जन-जन तक पहुंचाया और भारतीय समाज तथा संस्कृति पर गहरा प्रभाव डाला। इसकी भाषा और शैली ऐसी थी कि यह केवल विद्वानों तक सीमित नहीं रही, बल्कि गांवों और कस्बों से लेकर सामान्य परिवारों तक पहुंची। गोस्वामी तुलसीदास को हनुमान चालीसा की रचना के लिए भी विशेष रूप से जाना जाता है। हनुमान जी की स्तुति में रचित यह काव्य आज भी करोड़ों श्रद्धालुओं की दैनिक धार्मिक आस्था का हिस्सा है। इसके अलावा विनय पत्रिका, कवितावली, गीतावली, दोहावली, जानकी मंगल, पार्वती मंगल और वेराय्य संदीपनी जैसी रचनाएं भी तुलसीदास की साहित्यिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। उनका साहित्य मुख्य रूप से अवधी और ब्रजभाषा में है। उन्होंने संस्कृत में उपलब्ध धार्मिक और आध्यात्मिक परंपरा को ऐसी लोकभाषा में अभिव्यक्त किया, जिसे सामान्य लोग आसानी से समझ और आत्मसात कर सकें। यही उनकी साहित्यिक विरासत की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक मानी जाती है। उनके देहावसान के संबंध में कई कवियों में प्रीतियां हैं लेकिन एक कविता के माध्यम से संवत 1680 असी गंग के तीर श्रावण शुक्ला सप्तमी तुलसी तजो शरीर इसके अनुसार आज तुलसी दास जयंती के अवसर पर नगर वासियों ने तुलसीदास जयंती आयोजन कर उन्हें श्रद्धांजली अर्पित की।

लोकजीवन पर गहरा प्रभाव डालती हैं। भक्तिकाल के महान संत-कवि गोस्वामी तुलसीदास जी की जयंती श्रद्धा, भक्ति और सांस्कृतिक उत्साह के साथ मनाई जा रही

अमानगंज सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में डेंटल क्लिनिक का शुभारंभ



भवन बनने के बाद अस्पताल में मरीजों के लिए सुविधाओं का और विस्तार किया जा सकेगा तथा क्षेत्र की बड़ी आबादी को इसका लाभ मिलेगा। डेंटल क्लिनिक के शुभारंभ के साथ ही अमानगंज के स्वास्थ्य केंद्र में इलाज की सुविधाओं का दायरा बढ़ा है। अब लोगों को उम्मीद है कि नवीन अस्पताल भवन का सपना भी जल्द जमीन पर उतरेगा और अमानगंज को आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं से लैस अस्पताल की सौगात मिलेगी।

एक बच्ची की मौत के बाद भी नहीं जागा प्रशासन

रपटा डूबा, दो दर्जन गांवों का संपर्क टूटा, मजबूरन सड़कों पर उतरेंगे ग्रामीण, बड़बारा रपटा और दौवनटोला पुलिया निर्माण की मांग



देवेदनगर।

मध्यप्रदेश बड़बारा नदी पर बना वर्षों पुराना और निम्नस्तरीय रपटा बारिश के पानी में डूबते ही राजापुर, गुखौर, मड़ई, कल्या, दौवनटोला, छोटी गुखौर, नई बस्ती चांदा, ककरहा सहित करीब दो दर्जन गांवों का देवेदनगर से संपर्क पूरी तरह टूट गया है। ग्रामीणों का कहना है कि मामूली बारिश में ही यह स्थिति बन जाती है और हर साल मानसून में हजारों लोगों का जनजीवन ठप हो जाता है। सबसे गंभीर आरोप राजापुर सरपंच बेटूलाल चौधरी ने लगाया है। उनका कहना है कि रपटा डूबने और दौवनटोला में पुलिया नहीं होने के कारण देवेदनगर से संपर्क टूट गया, जिससे खिललू आदिवासी की बच्ची को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका और उसकी मौत हो गई। सरपंच के अनुसार ऐसी घटनाएं पूर्व में भी हो चुकी हैं।

पिछले वर्ष ही नहीं, वर्षों से उठ रही है स्थायी पुल की मांग

ग्रामीणों का कहना है कि करीब एक दशक पहले रपटा बनने के समय से ही इसकी ऊंचाई और मजबूती को लेकर सवाल उठाए जाते रहे हैं। पिछले वर्ष भी प्रशासन को स्पष्ट रूप से अवगत कराया गया था कि रपटा बारिश में डूब जाता है और कई गांवों का संपर्क खत्म हो जाता है, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं किया गया।

बच्चों की पढ़ाई से लेकर रोजगार और खेती तक प्रभावित

बारिश में बच्चों का स्कूल-कॉलेज जाना बंद हो जाता है। नौकरी-पेशा लोग अपने काम पर नहीं पहुंच पाते। गंभीर मरीजों को अस्पताल ले जाना मुश्किल हो जाता है। महिलाओं को न्यायालय और अन्य जरूरी कार्यों के लिए बाहर निकलने में परेशानी होती है। क्षेत्र में बड़े पैमाने पर होने वाली सच्ची की खेती भी प्रभावित होती है, क्योंकि किसान अपनी उपज बाजार तक नहीं पहुंचा पाते। ग्रामीणों

का कहना है कि रपटा डूबने के बाद वे न नागौद जा पाते हैं और न देवेदनगर आ सकते हैं। ऐसे में बीमारी, दुर्घटना, रोजगार, शिक्षा और व्यापार जैसी आवश्यकताओं के लिए भी लोगों को मजबूर होकर घरों में रहना पड़ता है।

आखिर ग्रामीणों के नुकसान और जान की जिम्मेदारी कौन लेगा?

हर साल बारिश के साथ सामने आने वाली इस समस्या को लेकर अब ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि शासन-प्रशासन ने अब भी ध्यान नहीं दिया तो करीब दस से दो दर्जन गांवों के लोग मजबूर होकर सड़कों पर उतरेंगे और आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

राजापुर सरपंच बेटूलाल चौधरी ने शासन से दौवनटोला में पुलिया निर्माण तथा बड़बारा नदी के रपटे को ऊंचा कर स्थायी एवं सुरक्षित पुल बनाने की मांग की है। ग्रामीणों का सवाल है कि आखिर कितनी जिंदगियां और कितने वर्षों की परेशानी के बाद शासन इस समस्या का स्थायी समाधान करेगा।

आज जिला कांग्रेस कार्यालय में मनाई जाएगी राजीव गांधी जयंती

पन्ना। पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्वर्गीय राजीव गांधी जी की जयंती के अवसर पर 20 अगस्त को दोपहर 12 बजे जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय, इंदिरा भवन, इंद्रपुरी कॉलोनी, पन्ना में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष माननीय श्री जीतू पटवारी जी के



निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम में पूर्व विधायक,पूर्व प्रत्याशी, वरिष्ठ कांग्रेसियन, जिला पदाधिकारीगण, मोर्चा, विभाग एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्षगण सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन शामिल होंगे। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष अनिस खान ने सभी कांग्रेसजनों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित

होकर स्वर्गीय श्री राजीव गांधी जी के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करने एवं उन्हें श्रद्धांजलि देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी जी ने देश के विकास और आधुनिकीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने युवाओं को लोकतांत्रिक प्रक्रिया से जोड़ने, पंचायती राज संस्थाओं को मजबूत करने तथा

सूचना एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत को नई दिशा देने का कार्य किया। उनके विचार और आदर्श आज भी देश की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी हैं। जिलाध्यक्ष अनिस खान ने कहा कि जयंती कार्यक्रम में राजीव गांधी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद करते हुए उनके विचारों एवं आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया जाएगा साथ ही परिसर में बुझा रोपण भी किया जाएगा। उन्होंने जिले के सभी वरिष्ठ कांग्रेसजनों, पदाधिकारियों, मोर्चा, विभाग एवं प्रकोष्ठों के अध्यक्षगण तथा समस्त कांग्रेसजनों से 20 अगस्त को दोपहर 12 बजे जिला कांग्रेस कार्यालय, इंदिरा भवन, इंद्रपुरी कॉलोनी में उपस्थित होने का आग्रह किया है।

उचित मूल्य दुकान राजपुर निलंबित, विक्रेता श्रीकांत शर्मा को कारण बताओ नोटिस जारी

पन्ना। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व पवई द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2015 की धारा 16(1) के तहत शासकीय उचित मूल्य दुकान राजपुर को निलंबित करने की कार्रवाई की गई है। दुकान से संबद्ध उपभोक्ताओं को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अंतर्गत पात्रता के घुटिरिया गांव के उपभोक्ताओं द्वारा शिकायत की गई थी कि विक्रेता श्रीकांत शर्मा द्वारा माह मार्च से जून कुल चार माह अवधि का खाद्यान्न घर-घर जाकर पीओएस मशीन में

बायोमैट्रिक सत्यापन करवाने के बावजूद भी प्रदान नहीं किया गया है। तहसीलदार सिमरिया, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पवई एवं समिति प्रबंधक प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति रेकरा द्वारा शिकायत की जांच में पाया गया कि विक्रेता द्वारा दुकान में विधिवत स्टॉक एवं वितरण पंजी का संधारण नहीं किया गया है। दुकान के बाहर पीला बोर्ड, स्टॉक मूल्य सूची बोर्ड, निगरानी समिति का बोर्ड व निःशुल्क खाद्यान्न वितरण का बोर्ड भी प्रदर्शित नहीं किया गया। भौतिक सत्यापन में दुकान में 5075 किलोग्राम गेहूं एवं 1106 किलोग्राम चावल कम पाया गया। प्रथम दृष्टया विक्रेता श्रीकांत शर्मा को खाद्यान्न की कालाबाजारी व अफरा-तफरी का दोषी पाया

गया, जो कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली नियंत्रण आदेश 2015 की धारा 10, 11 एवं 13 का स्पष्ट उल्लंघन है। इसी नियंत्रण आदेश की धारा 16 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के तहत भी यह दण्डनीय अपराध है। इस संबंध में संबंधित विक्रेता को 2 लाख 2 हजार 671 रूपए राशि वसूली के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। साथ ही वांछित दस्तावेजों सहित नोटिस का जवाब 20 अगस्त को दोपहर 2 बजे समक्ष में उपस्थित होकर प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। समय सीमा में जवाब प्राप्त न होने अथवा समाधानकारक जवाब न पाए जाने पर विक्रेता श्रीकांत शर्मा के विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी।



खबर संक्षेप



स्वतंत्रता दिवस पर प्रदर्शन करने वालों पर कार्रवाई

छतरपुर। महाराजपुर विधानसभा क्षेत्र के टटम गांव में सड़क, पुलिस और बिजली जैसी मूलभूत समस्याओं को लेकर स्वतंत्रता दिवस पर वाप प्रदर्शन के मामले में पुलिस कार्रवाई से नाराज ग्रामीण बुधवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचे। ग्रामीणों ने प्रदर्शन से जुड़े लोगों पर दर्ज एफआईआर निरस्त करने की मांग की।ग्रामीणों का कहना है कि गांव की समस्याओं के समाधान के लिए पहले भी प्रशासनिक अधिकारियों को आवेदन दिए गए थे, लेकिन समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ। इसके बाद 15 अगस्त को ग्राम पंचायत परिसर के बाहर शक्तिपूर्ण धरना-प्रदर्शन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ स्कूली बच्चों भी शामिल हुए थे।प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक कामाख्या प्रताप सिंह और प्रशासन के खिलाफ विरोध जताया था। ग्रामीणों के मुताबिक पुलिस ने मामले में दो लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है, जबकि आठ लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं। कार्रवाई के विरोध में ग्रामीण स्कूली बच्चों के साथ एसपी कार्यालय पहुंचे और एफआईआर निरस्त करने की मांग रखी।ग्रामीणों ने बताया कि उनकी प्रमुख मांग हरम से मधुपुरवा तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत सड़क निर्माण, हरनपुरा में पुलिस निर्माण और टटम के वार्ड क्रमांक 20 में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की है। ग्रामीणों ने प्रशासन से जनसमस्याओं का जल्द समाधान करने की मांग की है।

गोरिहार बस स्टैंड में मरा पानी



छतरपुर। गोरिहार में सुबह से हुई लगातार बारिश के चलते जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। बस स्टैंड में जल निकासी की व्यवस्था नहीं होने से चारों ओर पानी भर गया और स्थिति रिविंगम पुल जैसी नजर आई। पानी में बच्चे वाहनों के टयूब के सहारे तेरते दिखाई दिए, जबकि बस स्टैंड की कई दुकानों में पानी घुसने से दुकानदारों को गुरुत्सन उठाना पड़ा। बताया जा रहा है कि बारिश से पहले बस स्टैंड की पुलिस और नालियों की सफाई नहीं कराई गई, जिसके कारण पानी की निकासी नहीं हो सकी। जलभराव के चलते कई घंटे तक आवागमन और यातायात भी प्रभावित रहा।

एक साल में ही धंस गई लाखों की सड़क, घटिया निर्माण का आरोप



छतरपुर। ग्राम देरी में पठारपुर मेन रोड से वनवासी महिर की ओर बनाई गई करीब 1.20 किलोमीटर लंबी सुदूर सड़क निर्माण के एक साल के भीतर ही बर्दहाल हो गई है। करीब 19.75 लाख रुपये की लागत से बनी इस सड़क का टैंडर 10 मार्च 2025 को हुआ था। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क के बीच पानी की निकासी के लिए जहां दो फीट व्यास के पाइप लगाए जाने चाहिए थे, वहां ठेकेदार द्वारा महज एक फीट के पाइप डाल दिए गए। पर्याप्त जल निकासी नहीं होने के कारण सड़क कई जगह से धंस गई है और आवागमन में लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

स्वतंत्रता दिवस पर मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान



राजनगर। राजनगर स्थित संजय गांधी हायर सेकेंडरी स्कूल में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से स्वतंत्रता संग्राम, राष्ट्रप्रेम और आजादी के मूल्यों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित भी किया गया।विद्यालय की स्थापना वर्ष 1984 में हुई थी। स्थापना के बाद से ही यहां प्रतिवर्ष स्वतंत्रता दिवस पर ध्वजारोहण के साथ लघु नाटिकाओं, देशभक्ति और उत्साह का वातावरण बना दिया।

छतरपुर , नौगांव, महाराजपुर, खजुराहो, लवकुशनगर, गोरिहार, बक्सवाहा

अस्पताल के निरीक्षण के दौरान गंदगी देखकर कलेक्टर ने लगाई फटकार, नियमित सफाई के दिए निर्देश कलेक्टर ने ओपीडी में डॉक्टरों के नियमित उपस्थित रहने व ड्यूटी चार्ट चस्पा करने के दिए निर्देश

छतरपुर। कलेक्टर मृणाल मीणा ने बुधवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया और सभी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान सीएमएचओ डॉ. आर.पी. गुप्ता, सिविल सर्जन डॉ. शरद चौरसिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। कलेक्टर ने जिला अस्पताल के सभी तलों पर भ्रमण कर ओपीडी रूम, एसएनसीयू, एएनसी वार्ड, आईसीयू, ऑपरेशन थियेटर, एनआरसी, पीडियाट्रिक वार्ड सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण कर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने अस्पताल का निरीक्षण कर परिसर में गंदगी पाए जाने पर नाराजगी जताई और सफाई ईंचार्ज को स्पष्ट निर्देश दिए कि अस्पताल एवं विभिन्न वार्डों में नियमित साफ-सफाई करें। अस्पताल में मरीजों के अटेंडरों का अव्यवस्थित बैठे पाए जाने पर कहा कि उनके लिए बेंच लगाकर उनकी बैठक व्यवस्था सुनिश्चित करें और निर्धारित संख्या में ही अटेंडर उपस्थित रहें। साथ ही बारिश से अस्पताल में पानी लीकेज पाए जाने पर उसको तत्काल तरपौलिन शीट लगाकर सही करने के निर्देश



चलती बस में गूंजी किलकारी: 108 नहीं पहुंची तो ड्राइवर-कंडक्टर ने निभाया इंसानियत का फर्ज

छतरपुर। ग्वालियर से मजदूरी कर अपने गांव लौट रही गर्भवती महिला को हॉमसी-छतरपुर बस में अवाक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। अलौपुरा के पास महिला की हालत बिगड़ने पर यात्रियों ने 108 एंबुलेंस को सूचना दी, लेकिन समय पर मदद नहीं पहुंच सकी। ऐसे में बस चालक अशोक मिश्रा और कंडक्टर मनोज कुमार तिवारी ने सूझबूझ दिखाते हुए बस को सीधे जिला अस्पताल की ओर मोड़ दिया। ग्राम करकरिया, जिला पन्ना निवासी रेखा अपने पति देशराज चौधरी (29) के साथ ग्वालियर से मजदूरी का काम पूरा कर घर लौट रही थीं। रास्ते में अवाक उन्हें तेज प्रसव पीड़ा होने लगी। स्थिति गंभीर देख बस स्टॉप ने यात्रियों को उनके गंतव्य पर उतार और महिला को अस्पताल पहुंचाने के लिए बस आगे बढ़ा दी।अस्पताल पहुंचने से पहले ही चलती बस में रेखा ने बच्चे को जन्म दे दिया। जिला अस्पताल पहुंचते ही प्रसूति वार्ड की नर्सों ने बस में ही मां और नवजात की स्थिति संभाली। इसके बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। नवजात की हालत गंभीर होने के कारण उसे एसएनसीयू वार्ड में रखा गया है, जबकि रेखा की हालत स्थिर बताई जा रही है। इस घटना में बस चालक अशोक मिश्रा और कंडक्टर मनोज कुमार तिवारी की तत्परता और मानवीय संवेदना की जमकर सराहना हो रही है। एंबुलेंस के समय पर नहीं पहुंचने के बावजूद बस स्टॉप ने बिना देर किए मां और बच्चे को अस्पताल पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाई। यह घटना बताती है कि मुश्किल वक़्त में इंसानियत और सूझबूझ किसी के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकती है।

नौकरी लगाने के बाद पत्नी पर पति को साथ रखने से इन्कार का आरोप, मारपीट में पति जिला अस्पताल में भर्ती



छतरपुर। उत्तरप्रदेश का एक बहुचर्चित एसडीएम ज्योति मौर्य मामले ने यादें ताजा कर दीं। छतरपुर जिले में भी एक इसी तरह का मामला सामने आया है। कोतवाली थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच विवाद का मामला सामने आया है। पंकज अहिरवार (32) ने आरोप लगाया है कि उन्होंने मेहनत कर पत्नी की पढ़ाई कराई और करीब दो वर्ष पहले उसकी वर्ग-1 शिक्षक के पद पर नौकरी लगाने के बाद पत्नी के व्यवहार में बदलाव आ गया।

पंकज के अनुसार, वह महोबा में कपड़ों का शोरूम संचालित करते थे और शोरूम से होने वाली कमाई से पत्नी की पढ़ाई कराई। पत्नी की नौकरी लगने के बाद उन्होंने शोरूम बंद कर बच्चों की देखरेख पर ध्यान देना शुरू कर दिया। दंपती के दो बेटियां मिसिता और विधि तथा एक बेटा शिवांश है। आरोप है कि अब पत्नी पति को अपने साथ रखने से इन्कार कर रही है, जिसके चलते दोनों के बीच विवाद हुआ। पंकज का आरोप है कि पत्नी और साले ने

उसके साथ मारपीट की, जिसके बाद उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पंकज निवासी महोबा ने बताया कि बीबी और उसके भाई ने मिलकर मेरे साथ मारपीट की है। 2018 में उसकी शादी हुई थी। उस समय हम दोनों ही नौकरी नहीं करते थे। इसके बाद मैंने छोटे-मोटे काम किए, शोरूम भी चलाया। पैसे जोड़कर अपनी पत्नि को भी पढ़ाता रहा। अभी 2024 में मेरी पत्नि की नौकरी लग गई। वह इस समय पीएमश्री

उत्कृष्ट विद्यालय में सरकारी टीचर हैं। वर्तमान समय में मैं कुछ नहीं कर रहा हूं। मैं अपने बच्चों के साथ रहना चाहता तो मुझे रखती नहीं है मेरे साथ मारपीट करने लगी है और मुझे घर से भगा दिया, न मुझे खाना-पीना देती है और मुझसे कहती है कि अपने घर महोबा जाओ और वहीं रहो। आज सुबह मेरे साथ मारपीट की जिससे मेरे सिर में चोट आयी है। अभी वर्तमान में हम पीएनबी बैंक के सामने किराए के मकान में रहते हैं। वहीं पर यह घटना हुई है आज सुबह मेरी पत्नि आरती अहिरवार और उसके भाई वरदान अहिरवार ने डण्डे से मेरी पिटाई कर दी। जबदस्ती घर से भगाने के लिए मेरे साथ मारपीट की गई है। अब पत्नि की नौकरी लग गई है तो उसका हाव-भाव बदल गया है इसलिए वह मुझे अपने साथ नहीं रखना चाहती। एक दिन मैंने उसका मोबाइल चेक करना चाहा तो उसने नाटक किया कि जैसे मैंने उसके साथ मारपीट की हो। लेकिन अपना मोबाइल नहीं दिखाया। आज भी मेरा फोन तोड़ दिया। मेरे तीन बच्चे हैं।



जहरीले कीड़े के काटने से 53 वर्षीय महिला की मौत, झाड़-फूंक के बाद बिगड़ी हालत

छतरपुर। सटई थाना क्षेत्र के ग्राम पड़रिया में जहरीले कीड़े के काटने से 53 वर्षीय महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार बीते रविवार को महिला खेत पर गई थी, जहां अज्ञात जहरीले कीड़े ने उसे काट लिया। इसके बाद परिजन महिला का झाड़-फूंक कराते रहे, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां आज इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। महिला के शव का जिला अस्पताल में पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के कारणों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। भगवान ने बताया कि उनकी मां मल्लू कुशवाहा निवासी पड़रिया जब खेत में काम कर रही थीं तभी किसी अज्ञात जहरीले कीड़े ने उन्हें काट लिया। परिजन उन्हें झाड़-फूंक कराने लगे गए। हालत बिगड़ने पर वे उन्हें जिला अस्पताल लाए जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया।

छतरपुर में नकली पनीर के खिलाफ खाद्य विभाग की कार्रवाई तेज

छतरपुर। एनालॉग पनीर पर प्रतिबंध के बाद छतरपुर में खाद्य विभाग ने मिलावटी और प्रतिबंधित पनीर के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। पिछले एक सप्ताह में खाद्य विभाग की टीम ने अलग-अलग स्थानों से पनीर के 8 सैपल लिए हैं। इसके अलावा घों के 3



सैपल और अन्य खाद्य पदार्थों के भी 2 सैपल लिए गए हैं।बीते रोज खाद्य विभाग की टीम ने डोमिनोस पिज्जा कैफे से भी पनीर का सैपल लिया। खाद्य अधिकारी संतोष तिवारी ने बताया कि शासन के निर्देश के बाद जिले में लगातार खाद्य पदार्थों की जांच और सैपलिंग की कार्रवाई की जा रही है। सभी सैपल जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। खाद्य विभाग के अधिकारियों के मुताबिक लैब से जांच रिपोर्ट आने के बाद यदि किसी सैपल में मिलावट या नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो संबंधित के खिलाफ नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हरिभूमि

15 दिवस में नवीन क्रिटिकल केयर यूनिट की बिल्डिंग हैंडओवर करने के निर्देश



कलेक्टर ने मरीजों के लिए समय पर एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए एंबुलेंस मैनेजर की अस्पताल में ही बैठक व्यवस्था करने को कहा। साथ ही एंबुलेंस निर्धारित स्थल पर ही पार्क रहें और सीएमएचओ एंबुलेंस सेवाओं का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि समस्याओं का उचित समाधान किया जा सके। कलेक्टर ने जिला अस्पताल के पंचम तल पर जिला अस्पताल के समस्त स्टॉफ की बैठक लेकर सभी से परिचय लिया और कहा कि सभी की प्राथमिकता है कि अस्पताल में मरीजों को समय पर इलाज मिले और सभी फ्लोर ईंचार्ज अपने फ्लोर की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें। बैठक में पार्किंग टेंडर प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया गया कि निविदा प्रक्रिया कई बार से फ्लोट हुई, जिसके लिए कलेक्टर ने शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण कर व्यवस्थित पार्किंग के निर्देश दिए। उन्होंने एमपीबीडीसी के अधिकारी को 15 दिनों में सभी प्रकार की एनओसी प्राप्त कर क्रिटिकल केयर यूनिट की नवीन बिल्डिंग हैंडओवर करने के निर्देश दिए।

15 दिवस में नवीन क्रिटिकल केयर यूनिट की बिल्डिंग हैंडओवर करने के निर्देश

कलेक्टर ने मरीजों के लिए समय पर एम्बुलेंस की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए एंबुलेंस मैनेजर की अस्पताल में ही बैठक व्यवस्था करने को कहा। साथ ही एंबुलेंस निर्धारित स्थल पर ही पार्क रहें और सीएमएचओ एंबुलेंस सेवाओं का विश्लेषण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करें ताकि समस्याओं का उचित समाधान किया जा सके। कलेक्टर ने जिला अस्पताल के पंचम तल पर जिला अस्पताल के समस्त स्टॉफ की बैठक लेकर सभी से परिचय लिया और कहा कि सभी की प्राथमिकता है कि अस्पताल में मरीजों को समय पर इलाज मिले और सभी फ्लोर ईंचार्ज अपने फ्लोर की व्यवस्थाएं दुरुस्त रखें। बैठक में पार्किंग टेंडर प्रक्रिया के बारे में अवगत कराया गया कि निविदा प्रक्रिया कई बार से फ्लोट हुई, जिसके लिए कलेक्टर ने शीघ्र प्रक्रिया पूर्ण कर व्यवस्थित पार्किंग के निर्देश दिए। उन्होंने एमपीबीडीसी के अधिकारी को 15 दिनों में सभी प्रकार की एनओसी प्राप्त कर क्रिटिकल केयर यूनिट की नवीन बिल्डिंग हैंडओवर करने के निर्देश दिए।

तीन दशक से अधिक की सेवा-यात्रा अब सुनेगा देश

22 अगस्त को विविध भारती पर डॉ. संजय शर्मा की भेंट-वार्ता

छतरपुर। मानसिक विश्किपों को समाज की मुख्य धारा में जीने का अधिकार दिलाने और उन्हें इस व्य्था से मुक्ति दिलाने के लिए पिछले तीन दशक से अधिक समय से समाज सेवा डॉ. संजय शर्मा लगातार प्रयास कर रहे हैं। समर्पित भाव से कार्य कर रहे डॉ. संजय शर्मा की सेवा-यात्रा अब देश के करोड़ों श्रोताओं तक पहुंचेगी। आकाशवाणी के लोकप्रिय कार्यक्रम विविध भारती से आगामी 22 अगस्त को मैटिनी शो के तहत सुबह साढ़े 11 बजे से डॉ. शर्मा की विशेष भेंट-वार्ता का प्रसारण होगा। यह बातचीत प्रख्यात एंकर युनुस खान ने की है। वार्ता मानसिक विश्किपों के पुनर्वास और उनके जीवन को सम्मानजनक दिशा देने के प्रयासों पर विस्तार से चर्चा हुई।

विविध भारती पर देश की जानी-मानी हस्तियों की भेंट-वार्ताएं उनके सामाजिक सरोकार, रचनात्मक कार्यों और समाज में उनके योगदान को देखते हुए प्रसारित की जाती हैं। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर डॉ. संजय शर्मा



की उपस्थिति उनके वर्षों के निस्वार्थ सेवा-कार्य को राष्ट्रीय स्तर पर मिली एक महत्वपूर्ण पहचान के रूप में देखी जा रही है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. शर्मा ने अपना जीवन उन लोगों के लिए समर्पित किया है जिन्हें अक्सर समाज की मुख्यधारा से दूर कर दिया जाता है। तीन दशक से अधिक समय से वे मानसिक रूप से विश्किप लोगों के पुनर्वास, उनकी देखभाल और उन्हें

बेहतर जीवन दिलाने के लिए लगातार काम कर रहे हैं। उनके इस कार्य का दायरा इतना व्यापक है कि देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग अपने परिजनों या जरूरतमंदों की मदद के लिए उनसे संपर्क करते हैं।

बुंदेलखंड के लिए भी यह अवसर विशेष महत्व रखता है। माना जा रहा है कि डॉ. संजय शर्मा बुंदेलखंड के संभवतः पहले ऐसे व्यक्ति

होंगे, जिनकी भेंट-वार्ता विविध भारती जैसे राष्ट्रीय मंच से प्रसारित होगी। यह केवल उनके लिए ही नहीं, बल्कि पूरे बुंदेलखंड के लिए गौरव का क्षण है।

युनुस खान के साथ हुई बातचीत में डॉ. शर्मा ने मानसिक विश्किपों की पीड़ा, उनके पुनर्वास की चुनौतियों और समाज की जिम्मेदारी पर अपने अनुभव साझा किए। उनकी कहानी उन अनगिनत लोगों की कहानी भी है, जिन्हें सहारे, संवेदना और अपनत्व की जरूरत होती है।

22 अगस्त को विविध भारती से प्रसारित होने वाली यह भेंट-वार्ता सिर्फ एक इंटरव्यू नहीं बल्कि तीन दशक से अधिक समय से चल रही मानवता की उस साधना की कहानी है जिसमें किसी अनजान और बेसहारा व्यक्ति को फिर से जीवन की मुख्यधारा में लौटाने का संकल्प छिपा है। डॉ. शर्मा की आवाज के माध्यम से देश उन चेहरों की कहानी सुनेगा जिनकी आवाज अक्सर समाज तक पहुंच ही नहीं पाती।

15 साल से स्वतंत्र मंडी का दर्जा, फिर भी किसानों को सुविधाओं का इंतजार

छतरपुर। नौगांव कृषि उपज

मंडी को स्वतंत्र मंडी का दर्जा मिले करीब 15 वर्ष बीत चुके हैं, लेकिन करोड़ों रुपये खर्च होने के बावजूद किसानों को अपेक्षित सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। मंडी के विकास और निर्माण कार्यों पर अब तक 50 करोड़ रुपये से अधिक खर्च होने की बात सामने आ रही है, इसके बावजूद मंडी में नियमित व्यापारिक गतिविधियां सुचारु रूप से संचालित नहीं हो पा रही हैं।तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के कार्यकाल में नौगांव को उपमंडी से स्वतंत्र मंडी का दर्जा दिया गया था। इसके बाद बिलहर के पास 30 एकड़ से अधिक भूमि पर मंडी परिसर विकसित किया गया। यहां पहुंच मार्ग, सीसी रोड, बाउंड्रीवॉल, कार्यालय, दुकानें, पोस्ट ऑफिस और रेस्ट हाउस सहित कई निर्माण कार्य कराए गए। हालांकि हाल ही में करीब 3 करोड़ रुपये की लागत से बनाए गए 10 दुकानों, रेस्ट हाउस और स्टॉफ क्वार्टर सहित अन्य निर्माण कार्यों की



गुणवत्ता पर सवाल उठ रहे हैं। बारिश के दौरान सीसी रोड के उखड़ने और भवनों की छतों से पानी रिसने की शिकायतें सामने आई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पहले कराए गए कई निर्माण कार्य भी समय के साथ क्षतिग्रस्त हो चुके हैं।स्थानीय लोगों का आरोप है कि मंडी को कागजों में चालू रखने के लिए समय-समय पर औपचारिक बोली प्रक्रिया कराई जाती है, लेकिन किसानों और व्यापारियों को नियमित मंडी जैसी सुविधाएं नहीं मिल पा रही हैं। मंडी तक पहुंचने वाली सड़क और परिसर की आंतरिक सड़कों की स्थिति भी

सवालों के घेरे में है।लोगों ने मंडी के निर्माण और विकास पर खर्च हुई राशि, स्वीकृत कार्यों, निर्माण की गुणवत्ता तथा मंडी संचालन की स्थिति की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि निर्माण कार्यों में निर्धारित मानकों की अनदेखी हुई है तो जिम्मेदार अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों की जवाबदेही तय की जानी चाहिए। करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी यदि किसानों को मंडी की मूलभूत सुविधाओं का लाभ नहीं मिल रहा है, तो यह व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

नौकरी लगते ही बदला रिश्ता, पत्नी और साले पर मारपीट का आरोप

छतरपुर।

कोतवाली थाना क्षेत्र में पति-पत्नी के विवाद का एक मामला सामने आया है। 32 वर्षीय पंकज अहिरवार ने आरोप लगाया है कि पत्नी की सरकारी शिक्षक के पद पर नौकरी लगाने के बाद उनके रिश्तों में बदलाव आ गया और उन्हें घर से निकालने का प्रयास किया गया। पंकज के मुताबिक, उन्होंने पत्नी की पढ़ाई में सहयोग किया था और नौकरी लगाने के बाद उन्होंने अपना काम बंद कर बच्चों की देखभाल पर ध्यान देना शुरू कर दिया। पंकज ने बताया कि उनकी शादी वर्ष 2018 में आरती अहिरवार से हुई थी। दोनों के तीन बच्चे हैं। करीब दो साल पहले आरती की पीएमश्री उत्कृष्ट विद्यालय में वर्ग-1 शिक्षक के पद पर नौकरी लगी। पंकज का आरोप है कि इसके बाद पत्नी ने उन्हें साथ रखने से इन्कार करना शुरू कर दिया और महोबा वापस जाने के लिए कहने लगीं।



पंकज के अनुसार, बुधवार सुबह पीएनबी बैंक के सामने किराए के मकान में विवाद बढ़ गया। उनका आरोप है कि पत्नी आरती और उनके भाई वरदान अहिरवार ने डंडे से उनकी पिटाई की। सिर में चोट लगने के बाद उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। पंकज ने मोबाइल फोन तोड़े जाने का आरोप भी लगाया है।

पंकज का कहना है कि वह अपने तीनों बच्चों के साथ रहना

चाहते हैं, लेकिन पत्नी उन्हें घर में नहीं रख रही हैं। हालांकि, पूरे मामले में दूसरे पक्ष का पक्ष सामने आना अभी बाकी है। पुलिस कार्रवाई और जांच के बाद ही घटना का वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। यह मामला पति-पत्नी के बीच विवाद और पारिवारिक रिश्तों में आए तनाव को लेकर चर्चा में है। फिलहाल पंकज के आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है और मामले की जांच के बाद ही आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

बरसात में सड़कें बनीं गौशाला, बड़ा हादसों का खतरा

हर प्रमुख मार्ग पर झुंड,गीली सड़कों पर अचानक सामने आ रहे मवेशी, वाहन चालकों की बड़ी परेशानी



स्मार्ट सिटी बनने की दिशा में अक्सर रीवा शहर इन दिनों एक गंभीर समस्या से जूझ रहा है, आवारा मवेशियों की बेलागम बढ़ती संख्या, जो न केवल आम जनजीवन को प्रभावित कर रही है, बल्कि सड़कों पर जानलेवा हादसों की वजह भी बनती जा रही है। शहर के मुख्य मार्ग, बाजारों, और चौराहों पर बैठे मवेशी अब स्थानीय लोगों के लिए भय और असुरक्षा का कारण बन चुके हैं, बारिश के मौसम में जब शहर की सड़कों पर फिसलन बढ़ जाती है, जगह-जगह जलमय होता है और वाहन चालकों के लिए दृश्यता पहले ही कम रहती है, ऐसे समय में सड़कों पर खुले आम घूम रहे आवारा मवेशी शहरवासियों के लिए बड़ी मुश्किल बन गए हैं। रीवा शहर के मुख्य मार्ग, बाजार, चौराहे और अस्पताल क्षेत्र इन दिनों कई जगहों पर ऐसी तस्वीर पेश कर रहे हैं, मानो सड़कें गौशाला में तब्दील हो गई हों। सड़क के बाँधोबाँध बैठे या झुंड बनाकर खड़े मवेशियों के कारण वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है। बारिश में गीली सड़क होने से वाहन फिसलने का खतरा और बढ़ जाता है। सबसे गंभीर स्थिति रात के समय बनती है। बारिश और बादलों के कारण रोशनी कम होने के साथ ही सड़क पर बैठे मवेशी दूर से दिखाई नहीं देते। वाहन की रोशनी पड़ने के बाद जब तक चालक को मवेशी नजर आते हैं, तब तक कई बार संभलने का पर्याप्त समय नहीं बचता। ऐसे में दोपहिया वाहन चालकों के विरुद्ध वाहनों के मवेशियों से टकराने और पीछे से आ रहे वाहनों की चपेट में आने का खतरा कम रहता है। बरसात के दौरान सड़कों के किनारे खाली जगहों और बिचले हिस्सों में पानी भरने से मवेशी भी सूखी और ऊंची जगह तलाशते हुए मुख्य सड़कों पर आ जाते हैं। यहीं वजह है कि शहर के कई व्यस्त मार्गों पर दिनभर मवेशियों के झुंड नजर आते हैं। कहीं सड़क के बीच बैल बैठे हैं तो कहीं गायों का झुंड यातायात के बीच खड़ा दिखाई देता है। बारिश के दौरान सड़क पर कौड़र और फिसलन के बीच मवेशियों का अचानक सड़क पर करना वाहन चालकों के लिए और ज्यादा जोखिम पैदा करता है। विशेषकर दोपहिया वाहन चालक ऐसी स्थिति में संतुलन खो सकते हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव अल्प प्रवास पर पहुंचे रीवा



जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने किया आत्मीय स्वागत

रीवा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव अपने निधारित अल्प प्रवास के तहत भोपाल से वायुयान द्वारा रीवा एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट पर जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री का आत्मीय स्वागत किया। मुख्यमंत्री का विचारयात्र गुट्ट नागदेव सिंह, विद्याकर सिरमौर, दिव्यराज सिंह, विनय विकास प्राधिवरण के अध्यक्ष डॉ. पंचूनाल प्रजापति, उपाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती नीता कोल, भाजपा जिलाध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता, डीआईजी हेमंत चौहान, कलेक्टर नरेन्द्र कुमार सूर्यवंशी, एसपी गुरकरन सिंह, आयुक्त नगर निगम रीवा अक्षत जैन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने स्वागत किया। रीवा में संक्षिप्त ठहराव के बाद मुख्यमंत्री हेलीकॉप्टर से मेहर जिले के लिए रवाना हो गए। मेहर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने के बाद मुख्यमंत्री पुनः हेलीकॉप्टर द्वारा रीवा एयरपोर्ट वापस लौटे। रीवा पहुंचने के बाद मुख्यमंत्री वायुयान से इंदौर के लिए रवाना हो गए। मुख्यमंत्री के इंदौर प्रस्थान के समय एयरपोर्ट पर उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल, राजेश पाण्डेय सहित अन्य जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों ने उन्हें भावमयी विदाई दी।

कौशल से आत्मनिर्भरता की ओर बड़े कदम, RSETI मऊगंज में गरिमापूर्ण ढंग से मनाया स्वतंत्रता दिवस



भारत के निर्माण में योगदान दें।' इस अवसर पर प्रशिक्षणार्थियों ने देशभक्ति से ओत-प्रोत सार्वकृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं **RSETI** से प्रशिक्षण प्राप्त कर स्वरोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में सफलता हासिल करने वाले पूर्व प्रशिक्षणार्थियों को सम्मानित किया गया। सभी की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को यादगार बना दिया।

रिलायंस ऐश डाइक हादसे पर कलेक्टर ने मऊगंज का सख्त रुख, कलेक्टर ने दण्डात्मक कार्रवाही तथा सम्मति निरस्ती हेतु शासन पॉवर प्लांट को किया नोटिस जारी

सिंगरौली, कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी गौरव बैनल द्वारा मेसर्स सासन पावर लिमिटेड, ग्राम सिद्धिवरुद्ध, तहसील एवं जिला सिंगरौली के महाप्रबंधकों को ऐश डाइक-1 के क्षतिग्रस्त होने तथा सुरक्षा एवं पर्यावरणीय मानकों की अनदेखी के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।ग्राम हरंवा स्थित ऐश डाइक के क्षतिग्रस्त होने से बड़ी मात्रा में पलाई ऐश का बहाव आसपास के कृषि एवं आवासीय क्षेत्रों में होने के मामले में कानूनन दोषी के कंपनी प्रबंधन से नोटिस प्राप्ति के 3 दिवस के भीतर स्पष्ट एवं तथ्यात्मक जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं।जारी नोटिस के तहत मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एवं अनुविभागों को

दण्डाधिकारी द्वारा प्रस्तुत निरीक्षण रिपोर्ट के अनुसार 14 अगस्त 2026 की मध्यरात्रि तेज बारिश के बाद ऐश डाइक-1 के बाहरी हिस्से में लैंडस्लाइड होने से लगभग 5 हजार 760 टन प्लाई ऐश बहकर आसपास के खेतों एवं आवासीय क्षेत्रों में फैल गई।जांच रिपोर्ट में यह भी उल्लेखित है कि ऐश डाइक में निर्धारित फ़्लोवर्ड मानकों तथा मानसून पूर्व सुरक्षा के संबंध में जिला दण्डाधिकारी द्वारा 4 जून 2026 को जारी निर्देशों का समुचित पालन नहीं किया गया। जिला प्रशासन ने इस मामले को जनसुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं कृषि भूमि की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय मानते हुए कंपनी प्रबंधन से जवाब तलब किया है। रिपोर्ट के आधार

पर माना गया है कि मेसर्स सासन पावर लिमिटेड द्वारा एमपीपीसीबी द्वारा सम्मति का उल्लंघन किया गया है।कारण बताओ सूचना-पत्र में कंपनी ने यह भी स्पष्ट करने को कहा गया है कि जनसुरक्षा, पर्यावरण एवं कृषि भूमि को हुई क्षति के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता, 2023 एवं भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के प्राधान्यों के तहत अपराधिक प्रकरण दर्ज कराने को कार्रवाई क्यों की जाए। साथ ही पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986, जल प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम, 1974 एवं वायु प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण अधिनियम, 1981 के अंतर्गत उद्योग की संचालन सम्मति

निरस्त किए जाने के संबंध में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, भोपाल को प्रस्ताव भेजे जाने की चेतावनी भी दी गई है।जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय सीमा में सतोषजनक एवं तथ्यात्मक जवाब प्राप्त नहीं होने पर कंपनी के विरुद्ध नियमानुसार एकतरफा कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही ऐश डाइक हादसे से प्रभावित संघितियों एवं फसलों को हुए नुकसान का आंकलन कराय़ा जाकर उसकी कार्रवाई वसूली कंपनी से नियमानुसार की जाएगी। जिला प्रशासन ने जनसुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण एवं प्रभावित लोगों के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किए जाने की स्पष्ट चेतावनी दी है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में जिला कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित



सिंगरौली कलेक्टर श्री गौरव बैनल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट समानांतर में जिला कौशल विकास समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले में संचालित औद्योगिक कंपनियों तथा कौशल विकास संस्थानों के माध्यम से युवाओं को रोजगार के नवीन अवसर उपलब्ध करने, औद्योगिक मांग के अनुरूप प्रशिक्षण तथा प्लेसमेंट की व्यवस्था सुदृढ़ करने के संबंध में विस्तार से चर्चा की गई। कलेक्टर ने शासकीय आईटीआई में विभिन्न व्यवसायों में प्रवेश एवं प्लेसमेंट की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिन व्यवसायों में औद्योगिक कंपनियों में प्लेसमेंट की मांग अधिक है, उनमें सीट बढ़ाने के लिए प्रस्ताव तैयार कर भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि शासकीय संस्थानों में उपलब्ध सीटों के अनुरूप प्लेसमेंट का लक्ष्य निर्धारित कर अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए। कलेक्टर ने जिले में संचालित कौशल विकास योजनाओं

की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि ऐसी सभी औद्योगिक कंपनियां, जिनमें 15 से अधिक श्रमिक कार्यरत हैं, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रोत्साहन योजना, राष्ट्रीय अप्रेंटिसशिप प्रशिक्षण योजना एवं मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत अनिवार्य रूप से अपना पंजीयन कराएं। उन्होंने कंपनियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुसार विद्यार्थियों एवं प्रशिक्षणार्थियों को अप्रेंटिसशिप से जोड़कर उनका कौशल विकास सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जिला रोजगार अधिकारी को निर्देशित किया कि पिछले वर्ष अप्रेंटिसशिप योजनाओं के माध्यम से युवाओं को पर्याप्त अवसर उपलब्ध नहीं हो सके हैं। इस वर्ष औद्योगिक कंपनियों से समन्वय कर अधिक से अधिक युवाओं को अप्रेंटिसशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएं। कलेक्टर ने जिले में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों की कार्यप्रणाली को पुनर्गठित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक औद्योगिक कंपनी रोजगार मेले के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करे।

नोडल अधिकारी आयोजन से पूर्व संबंधित कंपनियों एवं अधीनस्थ वेंडर कंपनियों के अवसर उपलब्ध करने में सहभागिता के लिए सूचित करें।उन्होंने रोजगार कार्यालय एवं कौशल विकास विभाग को औद्योगिक कंपनियों के नोडल अधिकारियों के साथ सक्रिय समन्वय स्थापित करने तथा रोजगार मेलों का व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। साथ ही रोजगार मेले के माध्यम से रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं का निर्यात फॉलोअप सुनिश्चित करने को कहा।

एसएसटी जीनियस रेंज पब्लिक स्कूल गोविंदगढ़ में धूमधाम से मनाया गया स्वतंत्रता दिवस समारोह



रीवा। शकुन सिंह स्मृति भारतीय विद्या समिति गोविंदगढ़ के सहयोग से संचालित एसएसटी जीनियस रेंज पब्लिक स्कूल में स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े ही हर्षोल्लास और देशभक्ति के वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वजारोहण एवं राष्ट्रगीत के साथ हुई। समारोह के मुख्य अतिथि संस्था के सचिव एवं समाजसेवी शैलमणि शुक्ला ने ध्वजारोहण किया। इसके पश्चात विद्यालय की छात्राओं ने राष्ट्रगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी।इससे पूर्व एसएसटी जीनियस रेंज पब्लिक स्कूल के संचालक झनेंद्र सिंह और प्राचार्य गीता सोधिया द्वारा मंचासीन अतिथियों का मध्यापू्ण व पुष्प गुच्छ देकर अभिवादन किया गया।

ध्वजारोहण के बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने देशभक्ति गीत, नृत्य एवं नाटक की शानदार प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। बच्चों की प्रस्तुतियों में देशभक्ति साथ-साथ उनकी प्रतिभा और आत्मविश्वास की झलक देखने को मिली। कार्यक्रम को संक्षिप्त करते हुए नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष राजेश गुप्ता ने कहा कि विद्यालय प्रसार द्वारा बच्चों के चौमुखी विकास की दिशा में सराहनীয় प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में बच्चों की प्रतिभाएं अलग ही रूप में देखने को मिलीं। उन्होंने कहा कि अनुभवों से जीवन में बहुत कुछ सीखने को मिलता है, जो बच्चों के भविष्य निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।मुख्य अतिथि शैलमणि शुक्ला ने कहा कि



शिक्षा के साथ संस्कार भी बेहद जरूरी हैं, और यह दोनों बातें आज विद्यालय में देखने को मिलीं। उन्होंने कहा कि विद्यालय के शिक्षक बच्चों के सर्वांगीण विकास की दिशा में निरंतर प्रयास कर रहे हैं। यदि बच्चे शिक्षा के साथ सकारात्मक सोच को अपनाएं तो उन्हें अपने लक्ष्य तक पहुंचने में कठिनाई नहीं होगी।समारोह के दौरान विद्यालय परिवार, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं अभिमाक उपस्थित रहे। पूरे परिसर में देशभक्ति और उत्साह का माहौल बना रहा।

स्कूल का नाम किया रोशन

एसएसटी जीनियस रेंज पब्लिक स्कूल में अध्यक्षतर छात्र युवराज सिंह ने हार्डस्कूल परीक्षा में 95 प्रतिशत अंक अर्जित करते हुए स्कूल का नाम रोशन किया। स्वतंत्र दिवस के अवसर पर पुष्प कुछ एवं स्मिथ चिन्ह भेंट कर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि द्वारा सम्मानित किया गया उन्होंने कहा कि मजबूत संकल्प और मेहनत से मजिल हासिल की जा सकती

नईगढ़ी में अमृत 2.0 वाटर सप्लाई योजना में धीमी प्रगति, 40 प्रतिशत काम पर अटका कार्य

12 महीने की समयावधि के बाद भी अपूरा निर्माण, 6 महीने की समयावधि के बावजूद नहीं पूरा हुआ काम,नगर परिषद ने वरिष्ठ अधिकारियों से मांग मार्गदर्शन

मऊगंज

जिले के नगर परिषद नईगढ़ी क्षेत्र में अमृत 2.0 योजना के अंतर्गत चल रही वाटर सप्लाई योजना को कार्यप्रगति को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। निर्धारित समयावधि समाप्त होने और अतिरिक्त समय दिए जाने के बावजूद योजना का निर्माण कार्य अभी तक पूरा नहीं हो सका है। नगर परिषद द्वारा नगरिय प्रशासन एवं विकास विभाग के अधिकारियों को भेजे गए पत्र में भी कार्य की धीमी प्रगति का उल्लेख किया गया है।ज्ञानकारी के अनुसार योजना का कार्यदिश 09 अगस्त 2024 को जारी किया गया था और कार्य पूर्ण करने के लिए 12 माह की समयावधि निर्धारित थी। यानी निर्धारित अवधि के अनुसार अगस्त 2025 तक कार्य पूरा किया जाना था। लेकिन निर्धारित अवधि में कार्य पूरा नहीं हो सका।इसके बाद नगर परिषद के प्रस्ताव के आधार पर 27 अक्टूबर 2025 को कार्य के लिए पुनः 6 माह की समय वृद्धि दी गई। अतिरिक्त समय मिलने के बावजूद निर्माण कार्य अभी तक नहीं हुआ है और वर्तमान में भी कार्य धीमी गति से चलने की बात सामने आ रही है। करीब 40 प्रतिशत कार्य ही पूरा नगर



सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब योजना के लिए पहले ही 12 महीने की निर्धारित समयावधि दी गई थी और इसके बाद भी कार्य पूरा नहीं हुआ, तो अतिरिक्त 6 महीने की समय वृद्धि मिलने के बावजूद निर्माण कार्य पूरा क्यों नहीं हो पाया?नगरवासियों के लिए महत्वपूर्ण पेयजल योजना होने के कारण कार्य में लगातार हो रही देरी से लोगों में भी नाराजगी देखने को मिल रही है। योजना का उद्देश्य नगर की पेयजल व्यवस्था को मजबूत करना है, लेकिन निर्माण की धीमी गति के चलते इसका पूरा लाभ तक मिल पाएगा, यह सवाल बना हुआ है। भुगतान को लेकर भी मांगा गया मार्गदर्शन नगर परिषद ने संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों से संबंधितकर के

भुगतान एवं आने की कार्रवाई को लेकर मार्गदर्शन मांगा है। परिषद द्वारा भेजे गए पत्र की प्रतिरिपि कलेक्टर, संयुक्त संचालक नगरिय प्रशासन एवं विकास, परियोजना अधिकारी जिला शहरी विकास अभिकरण, नगर परिषद अध्यक्ष तथा रेंजिटेड इंजीनियर सहित संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है। निर्माण की गुणवत्ता और सुरक्षा पर भी उठ रहे सवाल वहीं दूसरी ओर, निर्माण कार्य की धीमी गति के साथ पाइपलाइन निर्माण की गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। कई स्थानों पर पाइपलाइन डालने के बाद खुले गड्ढे छोड़े जाने, सड़क किनारे सोल्डर की स्थिति खराब होने तथा पाइप डालने के बाद मिट्टी को फिलिन ठीक से नहीं किए जाने की शिकायतें सामने आ रही हैं।हाल ही में महावीरपुर में निर्माण कार्य के दौरान पुरानी पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने की घटना भी सामने आई थी। इससे पहले लालाज में निर्माण के लिए खोदे गए गड्ढे में एक कार के चले जाने की घटना हुई थी। गंभीरत रही कि उस घटना में चालक को जान बच गई।अब सवाल यह है कि 12 महीने की मूल समयावधि और 6 महीने की अतिरिक्त समय वृद्धि के बाद भी जब योजना पूरी नहीं हुई है, तो आखिर निर्माण कार्य कब तक पूरा होगा? साथ ही क्या संबंधित अधिकारी निर्माण की गति के साथ-साथ गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की भी तकनीकी जांच कराएंगे?जन्हित से जुड़ी इस महत्वपूर्ण पेयजल योजना में उल नगरवासियों की नगर वरिष्ठ अधिकारियों की कार्रवाई और निर्माण कार्य पूरा होने की अगली समय-सीमा पर है।

पत्नी से विवाद के बाद पति ने उसके नाम पर बनाया फर्जी सोशल मीडिया अकाउंट, परिचितों को भेजे अश्लील संदेश

पति पर पत्नी की पहचान का दुरुपयोग करने का आरोप, पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची पीड़िता रीवा।

जिले के मनगवां थाना क्षेत्र की एक महिला ने अपने पति पर उसके नाम से फर्जी सामाजिक माध्यम खला बनाकर अश्लील संदेश और वीडियो प्रसारित करने का आरोप लगाया है। पीड़िता का कहना है कि पति उसके नाम से बनाएं गए खाते के माध्यम से उसके मित्रों, रिश्तेदारों और परिचितों को आपत्तिजनक मैसेज भेज रहा है। विरोध करने पर पति द्वारा उसे शाली-गलौज करने और धमकी देने का भी आरोप लगाया गया है। मामले की शिकायत पीड़िता ने पहले मनगवां थाने में की थी। इसके बाद बुधवार को वह पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंची और वरिष्ठ अधिकारियों को आवेदन देकर पति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पीड़िता के अनुसार

वर्ष 2021 में उसकी शादी आरोपी युवक से हुई थी। शादी के कुछ समय बाद दोनों के बीच विवाद शुरू हो गया। महिला का आरोप है कि पति ने उसके साथ मारपीट की और उसे घर से बाहर निकाल दिया। इसके बाद दोनों के बीच विवाद बढ़ता गया और मामला न्यायालय तक पहुंच गया। पीड़िता के मुताबिक दोनों के बीच पारिवारिक विवाद से संबंधित प्रकरण अभी न्यायालय में विचाराधीन है। महिला ने पुलिस को दिए आवेदन में आरोप लगाया है कि पति ने उसके नाम से सामाजिक माध्यम पर फर्जी खाता बनाया। इस खाते से उसके परिचितों, मित्रों और रिश्तेदारों को अश्लील संदेश तथा वीडियो भेजे जा रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि उसके नाम और पहचान का इस तरह इस्तेमाल किया जाने से उसकी सामाजिक प्रतिष्ठा प्रभावित हो रही है। साथ ही वह मानसिक रूप से परेशान है। महिला ने पुलिस से फर्जी खाते की जांच कर उसे संचालित करने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सिटी कोतवाली में दर्ज गुमशुदगी के मामले की जांच में हुआ था हत्याकांड का खुलासा

अनूप हत्याकांड का साजिशकर्ता नरैनी से गिरफ्तार, दो आरोपी पहले ही जा चुके जेल

रीवा। शहर के बहुचर्चित अनूप सेन हत्याकांड में सिटी कोतवाली पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने हत्याकांड की साजिश रचने के आरोप में लंबे समय से फंसा चल रहे आरोपी विवेक चतुर्वेदी को नरैनी क्षेत्र से गिरफ्तार किया है। इस मामले में पुलिस दो मुख्य आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। बता दें 18 मई को सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र से अनूप सेन के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई गई थी। परिजनों की शिकायत के बाद पुलिस ने गुमशुदगी का मामला दर्ज कर युवक की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को कुछ संदिग्ध व्यक्तियों के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। संदिहियों से पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस की जांच आगे बढ़ी तो मामला सामान्य गुमशुदगी के बजाय हत्या से जुड़ा होने के संकेत मिले। जांच के दौरान पुलिस को मिले सुरागों के आधार पर अनूप सेन की तलाश एक जंगल क्षेत्र में की गई। यहां से पुलिस ने उसका शव बरामद किया था। शव

जिले के त्योंथर में मुसलाधार बारिश से सहाकार, नदियां उफान पर, बाढ़ का खतरा बढ़ा

रीवा। रीवा जिले सहित त्योंथर क्षेत्र में पिछले कई दिनों से जारी मुसलाधार बारिश अब लोगों के लिए आफत बनती जा रही है। लगातार हो रही बारिश के चलते क्षेत्र की प्रमुख नदियां और नदी-नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। त्योंथर क्षेत्र के पूर्वी और पश्चिमी तराई इलाकों में कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई है। नदियों के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी कर दिया है और संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी गई है। त्योंथर की टमस नदी के साथ पूर्वी क्षेत्र की बेलाग, गोमरा और सुप्रांग नदियां भी उफान पर हैं। लगातार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे निचले इलाकों में बाढ़ का खतरा मंड़राते लगा है। प्रशासन ने लोगों को नदी, नाले और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की सलाह दी है। बाढ़ की संभावित स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने पूर्वी क्षेत्र के निचले और संवेदनशील इलाकों में गुमशुदक लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी है। ग्रामीणों से कहा गया है कि वे नदी के किनारे अश्लील जलभराव वाले क्षेत्रों में जाने से बचें और परिस्थितियां बिगड़ने पर तत्काल सुरक्षित स्थानों की ओ। हकर चले जाएं।